Dr. Md. Mehboob Alam shah Pol. sc – VI R.B.G.R. College
Deptt of Pol. sc T.D.C. Part – III Maharajganj (Siwan)
Guest Asst. Professor

और/ क्षेत्र

प्रश्न :— अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रकृति का वर्णन करें ? या अंतर्राष्ट्रीय से आप क्या समझते है ? व्याख्या करे ।

उत्तर :— अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विश्लेषण के क्रम में हम कह सकते है कि — " Politics in relationships between Nations is International politics." अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक राष्ट्र शक्ति के माध्यम से अपने अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को इस प्रकार से व्यवस्थित करते है कि इससे उन्हे अधिकतम लाभ हो और उनके राष्ट्रीय हितों की वृद्धि हो। The three important things relevant to international politics are National interest, conflict and power. the first is the objective, the second is the conditional and the third is the means of international politics. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को परिभाषित करते हुए स्प्राउट महोदय ने कहा है कि- " स्वतंत्र राजनीतिक समुदायों अर्थात राज्यों के अपने-अपने उद्देश्यों अथवा हितों के आपसी विरोध- प्रतिरोध या संघर्ष से उत्पन्न उनकी क्रिया–प्रतिक्रियाओं और सम्बन्धों का अध्ययन ही अंतर्राष्ट्रीय राजनीति है। According to Feliks Gross — " The study of international politics is intentical to the study of foreign policy."

क्वींसी राइट ने कहाँ है कि — " अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एक ऐसी कला है जिसके द्वारा कोई वर्गगुट अन्य बड़े गुटों को प्रभावित, दलयोजित अथवा नियंत्रित करके विरोध के बावजूद अपने स्वार्थों की सिद्धि करता है।"

According to Morgenthau — " The struggele for and use of power among Nations is called international politics."

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की प्रकृति :—

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में विवाद तथा संघर्ष का महत्व ज्यादा है इसका मूल कारण यह है कि सहयोग की उत्पति भी विवाद से ही होता है एक ही प्रकार के उद्देश्य एवं हित वाले राज्य मिलकर अपने हितों की रक्षा के लिए संगठन बनाते

है। तथा शत्रुओं से स्वयं को बचाने के नियत से संधियाँ करते हैं। इस तरह हम देखने को मिलता है कि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में सहयोग एवं संघर्ष साथ-साथ चलती है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के लिए इस बात का अध्ययन अत्यंत अनिवार्य है कि दो राष्ट्रों में संघर्ष क्यों पैदा होता है और इसके समाधान का क्या उपाय है। विवाद या संघर्ष के मौके पर अपनी स्थिति सुदृढ़ करने हेतु राज्यों के लिए यह अनिवार्य होजाता है कि वे अपने अनुकूल राज्यों से मित्रता बनावे।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एक ऐसी प्रक्रिया है जो निरन्तर चलती रहती है तथा जिसमें राज्य अथवा राष्ट्र अपने उन राष्ट्रीय हितों को अपनी नीतियों तथा कार्यों के माध्यम से सिद्ध करने का अथक प्रयास करते हैं जिनका अन्य राष्ट्रीय हितों के साथ टकराव होता है। उपर्युक्त परिभाषाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाय तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रकृति की एक झलक मिलती है।

ऐसा देखा जाता है कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में राज्यों के आपसी सम्बन्धों में स्थिरता नहीं आ पाती है। प्रायः ऐसा भी देखा जाता है कि जब कोई राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन के कानूनी और राजनीतिक दृष्टि से अपने से उपर नहीं स्वीकार करता है तब अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा संगठन आदि अधिक प्रभावशाली नहीं होते हैं। और अन्तोगत्वा राष्ट्र अपनी सैनिक शक्ति पर ही निर्भर होते हैं। इस प्रकार क्वीन्सी राइट का कहना हमें तथ्ययुक्त लगता है कि - "जब तक राज्यों के कानून के प्रभावी होने में विश्वास नहीं है और प्रत्येक राज्य अपनी सुरक्षा के लिए शक्ति बढ़ाने में प्रयत्नशील है, तब तक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति दण्ड नीति पर ही चलती रहेगी।

वास्तव में देखा जाय तो विगत दो महायुद्धों में राष्ट्रों को विश्व समाज की स्थापना विश्व संगठन, लोकतंत्र, समाज कल्याण, मानवाधिकार जैसे विचारों के विकास में सहयोग दिया है।

इस प्रकार हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि राष्ट्रों की आकांक्षाएं एवंम् हितों के मध्य संबंध स्थापित हेतु अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का महत्व बढ़ा है। अतः अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के तीनों अंग राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय हित एवं संघर्ष उभरकर सामने आये।

आज के राष्ट्रीय हित में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव आया है। तथा आगे भी ये बदलाव आते रहेंगे। इन्हीं के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वर्तमान प्रकृति निर्मित हुई है। तथा भविष्य में भी परिवर्तित एवंम् नवसृजित होती रहेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के क्षेत्र :—

1. राज्य का अध्ययन :— अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के तहत राज्यों के वाह्य व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है। राज्यों के आपसी सम्बन्ध बहुत जटिल होते हैं क्योंकि इन्हें हमेशा अ-राजनीतिक ऐतिहासिक, धार्मिक, वैचारिक और सामरिक तत्व प्रभावित करते हैं। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन पर बल देती है।
2. शक्ति का अध्ययन :— मारगेन्थाऊ ने लिखा है कि — "अंतर्राष्ट्रीय राजनीति प्रत्येक राजनीति की तरह शक्ति संघर्ष है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का अन्तिम लक्ष्य चाहे जो कुछ भी हो, शक्ति सदैव तात्कालिक लक्ष्य रहती है।"
3. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति संस्थाओं तथा संगठनों का अध्ययन :— आजकल राज्यों का सम्बन्ध बहुपक्षीय होता जा रहा है। इस प्रकार बहुपक्षीय सम्बन्धों के संचालन में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का महत्व बढ़ता जा रहा है। आज संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावे अनेक प्रादेशिक संगठन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं जैसे — यूरोपियन साझा बाजार, अमेरिकी राज्यों का संगठन, सार्क, यूनेस्को, विश्व बैंक, नाटो-सीटो, राष्ट्र संघ 'अरब लीग', अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन, विश्व स्वास्थ्य

संगठन, अफ्रीकी एकता संगठन आदि।

4. विदेशी नीति निर्माण प्रक्रिया का अध्ययन :— अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के माध्यम से विभिन्न राष्ट्र अपने-अपने हितों की रक्षा करते हैं। इसी के तहत प्रायः हर देश अपने विदेश नीति का निर्धारण एवं संचालन करता है।

5. अंतर्राष्ट्रीय कानून के अध्ययन पर बल :— अंतर्राष्ट्रीय नियमों को आधार मानकर ही कोई राज्य विभिन्न प्रकार के सम्बन्ध कायम कर सकते हैं अतः अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अंतर्राष्ट्रीय कानून के अध्ययन पर बल देता है।

6. विदेशी व्यापार एवम् आर्थिक संगठन का अध्ययन :— विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कानूनों द्वारा विदेशी व्यवसाय संचालित एवं नियंत्रित होते हैं। विश्व राजनीति में विकसित देशों द्वारा विकासोन्मुख देशों को दी जाने वाली, आर्थिक व्यापारिक सहायता अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय क्षेत्र है।

7. सैनिक संगठनों और राजनीतिक गुटों का अध्ययन :— आजकल समाजवादी गुट, स्वतंत्र समाज, गुटनिरपेक्ष राज्य, अरब समुदाय जैसे— अनेक राजनीतिक गुट अस्तित्व में आए हैं। ये सब गुट मिलकर बहुत कार्य करते हैं। इन्हे जोड़ने वाले तत्व, मतभेद, प्रेम एवम् विवाद का अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय है।